अध्याय - 9 | वित्तीय विवरण - 2

QUIZ-01

1. वित्तीय विवरणों में समायोजन का उद्देश्य क्या है?

A. कृत्रिम रूप से आय बढ़ाना
B. खर्च कम करना
C. सही लाभ या हानि और वित्तीय स्थिति को दिखाना
D. कर भुगतान से बचना (C)

व्याख्या : समायोजन का उद्देश्य सही अवधि में सभी आय और व्यय को सम्मिलित करना होता है जिससे सही लाभ/हानि और वित्तीय स्थिति प्रदर्शित हो सके।

2. समापन स्टॉक की प्रविष्टि बनाते समय कौन-सा खाता डेबिट किया जाता है?

A. ट्रेडिंग खाता
B. खरीद खाता
C. समापन स्टॉक खाता
D. बिक्री खाता (C)

व्याख्या : समापन स्टॉक प्रविष्टि में समापन स्टॉक खाता डेबिट और ट्रेडिंग खाता क्रेडिट होता है।

3. इनमें से कौन-सी वस्तु बैलेंस शीट की देयता पक्ष में दिखाई जाती है?

A. अर्जित आय
B. पूर्व-भुगतान व्यय
C. बकाया व्यय
D. समापन स्टॉक (C)

व्याख्या : बकाया व्यय वर्तमान वर्ष के लिए भुगतान न की गई राशि है, इसलिए इसे देयताओं में दिखाया जाता है।

4. पूर्व-भुगतान व्ययों का सही उपचार क्या है?

A. देयता के रूप में दिखाना
B. व्यय में जोड़ना
C. व्यय से घटाकर संपत्ति में दिखाना
D. अनदेखा करना (C)

व्याख्या : पूर्व-भुगतान व्यय को संबंधित व्यय से घटाकर संपत्ति पक्ष में दिखाया जाता है।

5. 'अग्रिम में प्राप्त आय' किस प्रकार की वस्तु है?

A. संपत्ति B. व्यय
C. देयता D. आय (C)

व्याख्या : अग्रिम में प्राप्त आय अभी अर्जित नहीं हुई है, इसलिए यह एक देयता है।

6. मूल्यह्रास प्रदान करते समय कौन-सा खाता क्रेडिट किया जाता है?

A. मूल्यह्रास खाता
B. व्यय खाता
C. संपत्ति खाता
D. लाभ और हानि खाता (C)

व्याख्या : मूल्यह्रास प्रदान करते समय संपत्ति खाता क्रेडिट किया जाता है क्योंकि परिसंपत्ति का मूल्य घटता है।

7. निम्न में से किसे देनदारों से कटौती के रूप में दिखाया जाता है?

A. बकाया मजदूरी
B. मूल्यह्रास
C. संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान
D. अर्जित आय (C)

व्याख्या : संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान देनदारों की संभावित वसूली राशि को दर्शाने के लिए घटाया जाता है।

8. प्रबंधक का कमीशन अंतिम खातों में कैसे दिखाया जाता है?

A. आय के रूप में
B. व्यय के रूप में
C. केवल देयता के रूप में
D. नहीं दिखाया जाता (B)

व्याख्या : प्रबंधक का कमीशन एक व्यवसायिक व्यय है और यदि बकाया हो तो इसे देयता में भी दिखाया जाता है।

9. अतिरिक्त खराब ऋणों का बैलेंस शीट पर क्या प्रभाव होता है?

A. नकद में वृद्धि
B. बिक्री में वृद्धि
C. देनदारों में कमी
D. पूंजी में वृद्धि (C)

व्याख्या : अतिरिक्त खराब ऋण देनदारों की कुल वसूली योग्य राशि को घटा देते हैं।

10. पूंजी पर ब्याज के लिए कौन-सी प्रविष्टि की जाती है?

A. पूंजी खाता डेबिट, ब्याज खाता क्रेडिट
B. ब्याज खाता डेबिट, पूंजी खाता क्रेडिट
C. बैंक खाता डेबिट, पूंजी खाता क्रेडिट
D. पूंजी खाता डेबिट, बैंक खाता क्रेडिट (B)

व्याख्या : पूंजी पर ब्याज एक व्यय है, इसे डेबिट किया जाता है और पूंजी खाते में जोड़ा जाता है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें।
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES